1/2/22 डा. गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रोफेसर
विभाग मनोविज्ञान
स्नातक भाग - II

शोध प्रक्रिया में निहित अवस्थायें या चरणे
Stages or step in research process

शोध का लक्ष्य नये विज्ञान की खोज करना तथा पुराने ज्ञान की जाँच करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शोध कर्ता को अनेक अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। जहाँ तक मनोवैज्ञानिक शोध का प्रश्न है, इसमें निम्नलिखित अवस्थायें हैं-

1 शोध समस्या (research problem) - किसी भी शोध की पहली अवस्था समस्या के बिना शोध कार्य प्रारम्भ हो ही नहीं सकता है। यह बात मनोवैज्ञानिक शोध अथवा सामाजिक शोध पर भी लागू होती है। जैसे कैंसर क्यों होता है? यह एक शोध समस्या है जिसका कोई उत्तर अभी तक उपलब्ध नहीं हो सका है।

इस अवस्था में शोधकर्ता कई स्रोतों की सहायता से अपनी रुची के अनुसार किसी समस्या का चयन कर लेता है। विशेष रूप से पुस्तक पत्रिकायें, शोध-सार विश्वज्ञान-कोश आदि की सहायता से शोध समस्या को ढूंढ निकलता है।

2 परिचय (Introduction) :- शोध की यह दूसरी अवस्था है। इस अवस्था में शोधकर्ता अपनी शोध समस्या का परिचय देता है। जैसे मान ले कि कोई समस्या है कि रुढ़िवादी पर संज्ञानात्मक तत्वों तथा असंज्ञानात्मक तत्वों का प्रभाव पड़ता है। इनके बीच संबंधों का उल्लेख होगा। रुढ़िवादी किसे कहते हैं, इनके लक्षण कौन-2 हैं वह वह उदारवादी व्यक्ति किस प्रकार भिन्न है इन सारी बातों का उल्लेख किया जाता है।